भारतीय पारंपरिक ज्ञान पत्रिका
खंड 25(9), सितम्बर 2026, पृ. 922-929
DOI: 10.56042/ijtk.v25i9.29047

नेगमम कॉटन साड़ियाँ: एक अलग हथकरघा परंपरा

वी रमेश बाबू*, कवि भारती एम एवं हरीश रामकृष्णन
कपड़ा प्रौद्योगिकी विभाग कुमारगुरु प्रौद्योगिकी महाविद्यालय अथिपलायम रोड, चिन्नावेदमपट्टी, कोयंबटूर 641 035, तमिलनाडु, भारत
*ई-मेल: rameshbabu.v.txt@kct.ac.in

प्राप्त 25 फ़रवरी 2026; संशोधित 03 अगस्त 2026; स्वीकृत 14 अगस्त 2026

नेगमम कॉटन साड़ियाँ पारंपरिक हैंड वोवन फैब्रिक हैं जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं। यह शोध-पत्र नेगमम कॉटन साड़ियों के अस्तित्व के पीछे निहित हिस्टोरिकल, ज्योग्राफिकल और टेक्निकल फैक्टर्स पर चर्चा करता है। इस पेपर में मुख्य रूप से पारंपरिक वीविंग प्रैक्टिसेज़, देवांग चेट्टियार कम्युनिटी के माइग्रेशन, तथा लोकल क्लाइमेट के कॉटन वीविंग पर प्रभाव जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। हाई ह्यूमिडिटी लेवल के कारण या नैब्रिटल हो जाता है, जिसके चलते इस का प्रभाव विशेषरूप से महत्वपूर्ण रहा है। नेगमम कॉटन साड़ियों को बनाने में प्रयुक्त टेक्निकल प्रोसेसेज़ में वार्प और वेफ्ट दोनों के लिए "80's काउंट कॉटन यार्न" का उपयोग तथा प्रति इंच 86-90 की हाईपिक्स पर इंच शामिल है। वीवर्स साड़ी के वेट और बॉडी को मीडियम बनाए रखने का भी विशेष ध्यान रखते हैं। सामान्यतः साड़ी की लंबाई 7.3-8.2 मीटर होती है। डॉबी या जैकार्ड अटैचमेंट का उपयोग करते हुए एक्स्ट्रा-वेफ्ट पैटर्न्स पिट लूम पर बनाए जाते हैं। संक्षेप में, नेगमम कॉटन साड़ियाँ एक्सेप्शनल स्किल से निर्मित पारंपरिक वीविंग आइटम्स हैं, जो लोकल क्लाइमेट के अनुरूप एडाप्ट हुई हैं।

मुख्य शब्द: देवांग कम्युनिटी, हैंडलूम कॉटन साड़ियाँ, हेरिटेज टेक्सटाइल्स, नेगमम साड़ियाँ, पालक्काड गैप